

1. कनाडा: खालिस्तान आंदोलन के समर्थक गैंगस्टर सुखखा की हत्या. दो गैंग्स के बीच झगड़ा बना गौत की वजह
2. दिल्ली: आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर राहुल गांधी ने कुली की ड्रेस पहन उठाया सामान, सुना कुलियों का दर्द

अमिअ मूरिमय वूरन वारु । समन सकल भव रुज परिवारु ।।
गुरु पद रज मृदु मंजुल अंजन । नयन अमिअ दृग दोष बिमंजन ।।
सांध्य दैनिक

(मानस-भारत | राम कथा 923 - बई दिल्ली | मोरारी बापू |)

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 9 अंक : 76

इंटीर, गुरुवार 21 सितंबर, 2023

पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए



आसान नहीं सस्ते सिलेंडर की राह

लाखों की संख्या में लाइली बहनें, कनेक्शन 50 प्रतिशत के नाम भी नहीं है

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन: लाइली बहनाओं के लिए 450 रुपए का सस्ता सिलेंडर पाना आसान नहीं है। अकेले उज्जैन जिले में ही देखा जाए तो 3 लाख 53 हजार 417 लाइली बहनें हैं लेकिन गैस कनेक्शन इनमें से 50 फीसदी के नाम भी नहीं है। यही हाल प्रदेश के अन्य जिलों का भी है। हालांकि यह तो सच नहीं है कि फिल्टर बहनों के नाम कनेक्शन है, लेकिन यह तब माना जा रहा है कि अधिकार के नाम तो गैस है नहीं, पैसे से योजना का लाभ लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

उज्जैन जिले में करीब 38 गैस एजेंसियों के करीब 4 लाख गैस कनेक्शन के उपभोक्ता हैं। इनमें से 1 लाख 41 हजार महिला गैस कनेक्शनधारियों उज्जवल योजना को ही

जिनमें 700 से ही सस्ते में गैस सिलेंडर मुहैया कराए जा रहे हैं।

हाल ही में शासन ने अब लाइली बहना योजना से जुड़ी महिलाओं को भी सस्ते में गैस सिलेंडर देने का फैसला किया है। साथ ही ये भी स्पष्ट है कि सस्ता सिलेंडर उन्हीं लाइली बहनाओं को मिलेगा जिनके नाम से गैस कनेक्शन होगा।

अधिकारों तथा फर्म भ्रष्टाचार और अज्ञान कर्मियों से डटकर जुटने लगे तो हेरत में पड़ गए। यह इस्वीर कि बिना 1 लाख 41 हजार महिलाओं

को पूर्व से उज्जवल योजना के तहत सस्ता सिलेंडर मिल रहा है। करीब 80 से 90 फीसदी महिलाएं तो उनमें लाइली बहना योजना को मिलाएंगी ही खासतौर से। शेष शेष 10 से 20 फीसदी लाइली बहनाएं तो इन सभी के नाम से गैस कनेक्शन नहीं हैं।

पैसा देने वाले अकेला ये कि तीन दिन में करीब 700 आवेदन हो लाइली बहनाओं को तत्क से सस्ते

कनेक्शन ट्रांसफर के लिए आवेदन

इस सस्ता सिलेंडर देने की चाह में गैस एजेंसियों पर कनेक्शन ट्रांसफर करने के आवेदन खुलने लगे हैं। गैस एजेंसी सेनालगत सुविधा कक्षाओं में बहना कि पूरा अपनी चाली व चं के नाम कनेक्शन ट्रांसफर करने के आवेदन दे रहे हैं लेकिन पैसा करने की परमिशन नहीं है। गैस एजेंसी संयंत्रक भाषाव्ययन करने में सतर्क कि महिलाओं के नाम से नए कनेक्शन के लिए भी आवेदन आवे लगे हैं लेकिन उन्हें यह स्पष्ट किया जा रहा है कि आपको सस्ता सिलेंडर मिलेगा इसलिए कोई वादेंती नहीं। क्योंकि वे शासन की योजना के बाह्य कनेक्शन लेने आ रहे हैं।



सिलेंडर के लिए भरे गए हैं। इससे जाहिर है कि जो लाइली बहनाएं हैं उनमें से अधिकतर के नाम गैस कनेक्शन नहीं हैं और जिनके नाम से कनेक्शन है उनमें से अधिकतर पूर्व से ही उज्जवल योजना के तहत सस्ता सिलेंडर ले रही हैं।

खेतों में ट्रांसफार्मर के लिए 50 प्रतिशत पैसा देगी सरकार

कृषक मित्र योजना लॉन्च; 3 हॉर्स पावर के पंप कनेक्शन के लिए इलेजी 11 केव्ही विद्युत लाइन

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश में किसानों को पानी बिजली मुफ्त उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने मध्यप्रदेशी कृषक मित्र योजना लॉन्च की है। योजना में किसान या किसानों के समूह को 3 हॉर्स पावर के स्वयंसेवा पंप कनेक्शन के लिए ट्रांसफार्मर में 50 फीसदी सस्ता पैसा देना होगा। 11 केव्ही विद्युत लाइन की सुविधा दी जाएगी। सात लाख तक है कि कोई भी किसान आवेदन देकर अपने खेतों में ट्रांसफार्मर लगवा सकेगा। ट्रांसफार्मर लगाने का अर्ध खर्च सरकार देगी, अन्य किसान को देना होगा।

भोपाल के कृषक मित्र योजना के अंतर्गत सेंट्रल में आधुनिक कनेक्शन में मध्यप्रदेशी किसानों को सस्ता पैसा देना होगा।

सिंह तोंपर को मौजूदगी में कृषक को योजना लॉन्च की गई। अमल भी तुरंत ही शुरू हो गया। इसे पूरे प्रदेश में दो चरण में लागू किया गया है। पहले चरण में जो किसान शामिल नहीं हो पाएंगे, उन्हें अपने सस्ता योजना के तहत में लिया जाएगा। उर्जा विभाग ने इस योजना में ट्रांसफार्मर के बीच की दूरी कम से कम 200 मीटर रख करे है। तीन दिन पहले कैबिनेट से मंजू इस योजना के लिए तीन विद्युत विद्युत कर्मियों के अधिकारियों को निर्देश दे दिए गए हैं। मध्यप्रदेशी कृषक मित्र योजना से किसानों को बिजली की सस्ता से काफी रकम बचाने मिलेगी। इस आभके दे रहे हैं योजना के बारे में सज जानकारी, जो आभके पास होगा उसकी

स्वामी पंप कनेक्शन के लिए विद्युत लाइन और ट्रांसफार्मर लगाने

मध्यप्रदेशी कृषक मित्र योजना में सरकार 3 हॉर्स पावर व अधिक क्षमता वाले स्वामी पंप कनेक्शन देते के लिए विद्युत लाइन डायने और ट्रांसफार्मर लगाने का काम करेगी। लाइन का अर्ध खर्च किसान या कृषक द्वारा वहन किया जाएगा जबकि 4000 प्रति मीटर तक सरकार और 1000 प्रति मीटर विद्युत लाइन करने खर्च करेगी।

जैसे कि कैसे विद्युत इस योजना का लाभ? आवेदन कहाँ और कैसे करे?

गुरुआती अवधि 2 साल, जनसत पढ़ी तो बढ़ाई जाएगी

मध्यप्रदेशी किसान शिक्षा योजना में कर्मियों में कहा, इस योजना की शुरूआती अवधि 2 साल तक रहेगी। योजना में अनेक आवेदनों की स्थिति के आभार पर अग्रणी लक्ष्य करने और कनेक्शन में काम बनाई सस्ता किया जाएगा। बहुत अधिक सस्ता में आवेदन आ लगे हैं उज्जैन निदेशक आभके नाम सस्ता जाएगा। इससे बचें भी आभ जनसत नहीं तो योजना भी अवधि बढ़ाई जाएगी। मध्यप्रदेश में बहना कि इस योजना में 11 केव्ही लाइन का विस्तार किया जाएगा। ट्रांसफार्मर भी लगाए जाएंगे।

चीप का आरोप- विद्युत-सिंह अफसरों को धमका रहे

मध्यप्रदेश में किसानों के बीच एक बड़ा खतरा- जल, नया और सस्ते से विद्युत प्रदान में कुल 7 लाख विद्युत पंपों के लिए सिद्धांत की योजना सरकार ने अब तक 47 लाख विद्युत पंपों में सिद्धांत की योजना कर दी है। अब 65 लाख विद्युत सिद्धांत अपना करने का प्रस्ताव सरकार है विद्युत में कहा- विद्युत सिद्धांत अधिकतरों को धमका रहे हैं कि पैसे की इंतगारी ही रही है। इसका पैसा आ कहा से रहा है जबकि पूर्व मध्यप्रदेशी मंत्रालय कहते थे कि में सब करके मरे पावर फेरी ही नहीं है? मांग में सब खाली कर दिया। सिद्धांत रोते रहते थे। में कहा कि किने पावर फेरी की लोनी नहीं है।

क्षेत्र नं. 3 में कांग्रेस की पॉलिटिक्स में ट्विस्ट ...

अश्विन जोशी बोले-कांग्रेस के सर्वे में मेरा नाम सबसे ऊपर, कहीं नहीं जा रहा

इंदौर। कांग्रेस विधानसभा क्षेत्र नंबर 3 के विधान सभा और 3 बार के पूर्व विधायक अश्विन जोशी ने आम आदमी पार्टी के दावे को तिरों से खारिज कर दिया है। उन्होंने अटकलें को विराम देने हेतु कहा कि मेरा नाम कांग्रेस पार्टी के सर्वे में टॉप पर है, हे और सर्वेय रहेगी।

ध्यान रहे कि एक दिन पहले मंगलवार को आम आदमी पार्टी



की प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल ने कहा था कि अश्विन जोशी से

हमारी बात चल रही है। जैसे ही फलफूल होगा हम उनको आम जीवन कर लेंगे। इसके बाद ही अश्विन जोशी ने देर रात वीडियो जारी कर आम के दावे को गलत और विरोधियों की कथित बताया।

दुःख था कि कांग्रेस के उपाध्यक्ष अश्विन जाधव और वीरक जोशी हिंदू भी रस में हैं। विरोधियों का कहना है कि जोशी परिवार में टिकट की घोषणा का फलदा अन्न उपाध्यक्ष को हो सकता है।

जोशी ने रात को वीडियो जारी कर अगली बात रखी

पूर्व विधायक जोशी ने कहा कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में विरोधी दलन फिर सकने हैं, वह अश्विनरसनीय हैं। मेरी लोककल्याण से चौकानवार हुए विरोधी द्वारा फलदा नई यह अग्रवाल हैं। मेरी निष्ठा कांग्रेस में थी, हे और स्वतंत्र रहेगी। मैं पार्टी के सर्वे में सबसे ऊपर हूँ। वहीं मैंने ऐसा कोई कृत्य

नहीं किया की मुझे जगता के सम्पने सर्वे के सर्वे पर चुनना पड़े। मैं पार्टी के सर्वे में सबसे आगे हूँ और मैं चुनाव लड़ूंगा। हम कमरनाम के नेतृत्व में सरकार बनएंगे। भारत में कि अश्विन जोशी पूर्व मंत्री अश्विन जोशी के शरीरों हैं और विधायक सिंग के फलदी माने जाते हैं। तीन बार जोशने के बाद वे लगातार दो चुनाव हार चुके हैं। उनके क्षेत्र से वीरक समाज के नेता अश्विन जाधव और वीरक जोशी उर्फ हिंदू भी उपाध्यक्ष हैं।

चलती ट्रेन से गिरी
युवती की बचाई जान

इंदौर। इंदौर रेलवे स्टेशन पर एक गंभीर हादसा टल गया। वहां चलती ट्रेन से एक युवती का पैर फिसल गया। वह ट्रेन के नीचे गिरी। इससे पहले आरपीएफ जवान की नजर उस पर पड़ गई। आरपीएफ जवान वीरक तीमार ने वीड लगकर उसे ट्रेन से तालीकन बाहर निकाला। आरपीएफ ने वीड कर तीमार की प्रशंसा की है। बताया जा रहा है कि युवती कुतार युक्त ट्रेन से जाने के लिए प्लेटफॉर्म पर खड़ी थी। तभी ट्रेन चल दी। वह चलती ट्रेन पर बढ़ने लगी तभी वीरक वीर किल्ले गजा और वह ट्रेन के नीचे गिरे लगी।

ekatma dham
a journey of oneness

Begin your eternal journey of
global oneness at 'Ekatma Dham' and
witness the magnificent revival of
'Sanatana Dharma'

www.oneness.org.in

संपादकीय

स्पष्ट नियमन तय नहीं

छात्रसंघ चुनावों के दौरान जिस तरह की खींचतान और कई बार टकराव तक का माहौल बन जाता है, उसमें यह सुनिश्चित किए जाने की जरूरत है कि किसी संगठन के उम्मीदवार या उनसे जुड़े नेता के साथ चिंतन और किस तरह के कार्यकर्ता परिसर में प्रवेश कर सकते हैं। कालेजों में प्रचार से जुड़ी गतिविधियों को लेकर प्रशासन की ओर से एक स्पष्ट नियमन तय होना चाहिए, जो तय नहीं है। दरअसल दिल्ली विश्वविद्यालय के दो कालेजों में मंगलवार को कुछ असांभालिक तत्वों की अराजकता की जैसी हरकत सामने आई है, उससे एक बार फिर यही पता चलता है कि छात्रसंघ चुनावों के दौरान आशंका के बावजूद ऐसे हालात से निपटने के कोई इंजन्याम नहीं किए गए। खबरों के मुताबिक, रामजस कलेज और मिरांडा हाउस कलेज में छात्रसंघ चुनावों के लिए प्रचार के बहाने कुछ असांभालिक तत्व दाखिल हो गए और अराजक हरकतें करने लगे। आरोप है कि हथों में डंडे लिए लोगों ने यहां छात्रों से मारपीट की, छात्राओं पर फकिंयां करीं और कड़वों से अभद्र बर्ताव किए।। यह एक चिंताजनक स्थिति है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के कालेजों के परिसरों को आमतौर पर सुरक्षित इलाकों के तौर पर देखा जाता है, लेकिन यहां भी छात्र-छात्राओं को आपराधिक हरकतों का सामना करना पड़ रहा है। इस घटना में अफसोसनाक पहलू यह है कि जिन लोगों पर ऐसी अराजकता फैलाने का आरोप है, वे छात्रसंघ चुनावों में हिस्सा लेने वाले एक प्रमुख छात्र संगठन 'नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन आफ इंडिया' के उम्मीदवारों के साथ चुनाव प्रचार करने गए थे! सवाल है कि अगर वे आरोपी सही हैं तो जिस संगठन या नेता के साथ बाहरी तत्व कालेजों में घुसे, उसकी क्या जिम्मेदारी थी? किसी भी परिस्थिति में अगर चुनाव प्रचार के दौरान इस तरह की अराजकता सामने आई है, तो यह परिसर के भीतर अपराध के पांव फैलने को ही दर्शाता है। दरअसल, यह किसी एक संगठन तक सिमटा मामला नहीं है, इसलिए इसे लेकर सभी को चिंतित होने की जरूरत है। खासतौर पर कलेज और विश्वविद्यालय में सभी विद्यार्थियों का हित सुनिश्चित करने का दबा करने वाले छात्र संगठनों को इस मसले पर विचार करने की जरूरत है कि चुनाव में जीत के लिए वे जिन तौर-तरीकों को आसनाते हैं, वे कितने सही हैं। आखिर क्या यह है कि कालेज या विश्वविद्यालय में किसी समस्या से जुड़े मुद्दे पर केंद्रित विचार आधारित जन्मत बनाने के बजाय कोई संगठन प्रचार के दौरान आक्रामक रुख अख्तार करता है और कई बार हिंसक टकराव के हालात भी पैदा हो जाते हैं?

अर्जु
किया है..!

बद की सोहबत में मत बढो
इस का हैं अंजाम बुरा
बद न बने तो बद कहलाए
बद अच्छा बदनाम बुरा

-इम्नाल मेरठी

11/2/11
MORARI BAPU



सत्य-प्रेम-करुणा...

॥ रामकथा॥
॥ मानस वृंदावन॥

सुधारक कई होते हैं...
उद्धारक भी कई होते हैं...
स्वीकारक बहुत कम मिलते हैं...

जो स्वीकार कर ले..... कृष्ण ने कितना स्वीकार किया साहब..... इतनी महिलाओं को बंदीग्रह से मुक्त किया.... कौन स्वीकारेगा ?... गाँविये ने सबका स्वीकार किया..... मैं कहता रहता हूँ सुधारने की जरूरत नहीं ...स्वीकार करने की जरूरत है ...काई कैसा भी हो.... तुम यदि बड़े हो और सामने वाला काई मलीन है तो तुम्हारी सिद्धि से उसको पवित्र कर दो ना..... हटो.. हटो... भागो ...भागो... ऐसा क्या वरते हो?...उसको पवित्र कर दो ...स्वीकार करो कौन सुधारा है यहां ?... सुधार सुधार करो ...काई सुधारा नहीं हैस्वीकार करो.... मुझे कई लोग कहते हैं बापू ... अब क्या बंद करो ना.... इसमें काई सुधरे ऐसा नहीं है.... तू तो श्री गणेश करतू तो शुरूआत.... एक तेरे से तो शुरू कर ...एक तो कम हुआ लेकिन मेरा ...मिशन शब्द ठीक नहीं है अपने लिए... सुधारने की काई सपने में भी नहीं.... स्वीकार कर तोजैसे हो कुबूल... बस.... बाहू पसार रहो ...आ जाए सबमहापुरुषों ने यही तो किया देखो आप मंत्र जाप करो तो कितना करना पड़ता हैभूमिशयन करना पड़ता है.... जो नियम से मंत्र जाप करो तो.... कितने कितने लक्षण लागू होते हैं.... भूमि शयन करो ...संयम पातो ...एक टाइम खाओ... गुरु से मंत्र लो.... मौन रखो... भूमि शुद्ध करो... कितने कितने.... और गौरांग कहते हैंकैसे भी हो ...उर्द्धवाह होकर हरि बोल.... साधु पुरुष के मुख से निकला 'हरि बोल' त्रिभुवन को दीक्षित कर देता है... त्रिभुवन को दीक्षा दे देता है उसके मुख से निकलाएक व्यथित नहीं.... तीनों भुवन... साधु मुख से निकला हुआ होना चाहिएजिसने मंत्र को शुद्धता से प्राप्त कियामंत्र सिद्धि को भी अर्जित कर ली और ऐसा महापुरुष जब काई मंत्र उच्चारण करता है तब..... आप 500 साल पहले का साहब.... काई संख्या कम नहीं रहती थी गौरांग के साथ.... हजारों लोग उर्द्धवाह होकर नाचते थे साथऔर उसके बाद बिलग बिलग धारा मेंअमेरिका में भी जब हरे कृष्ण का वो शुरू हुआ तो झुंड के झुंड निकलते थेभगवान के नाम की महिमा थी ये साहब

-प्रस्तुति- पुष्पेंद्र गुप्त

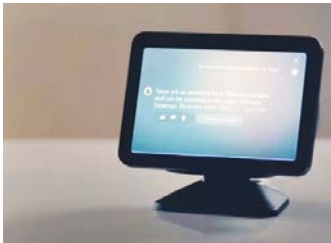
Highlights

1. **Odisha minister Pramila Mallik to become state's 1st woman Speaker**
2. **We are a safe country: Canadian minister LeBlanc on India's travel advisory**
3. **UP policeman forces woman to withdraw kidnapping case, suspended**
4. **US envoy takes ride on e-bus in Delhi, clicks selfies with driver**
5. **Aditya-L1 to undergo trajectory correction**
6. **Khalistan supporter and gangster Sukha Duneke shot dead in Canada: Reports**

New Echo and Fire TVs aside, generative AI is the big leap for Amazon's Alexa

MUMBAI, (Agency). It perhaps could have happened sooner, as artificial intelligence (AI) chatbots with large language models (LLMs) as underliers have caught our collective attention over the past year. 'Better late than never' is perhaps how one would describe Amazon's next big upgrade for the Alexa virtual assistant. At its annual keynote that focused on Alexa and its accompanying smart device ecosystem, Amazon confirms Alexa is ready to find a new large language model as its foundation.

While it is already true to an extent, using generative AI is expected to give Alexa the sort of finesse with conversational capabilities, that it presently perhaps doesn't have the tools to achieve. In a way, the evolution of chatbots has been so rapid, voice assistants quickly went from being exciting, futuristic tech to basic tools one now expects as par for the



course, on a smart speaker or a smartphone.

Or we have simply become used to a more conversational AI, with chatbots such as ChatGPT, Microsoft's Bing and Google's Bard.

Generative AI for Alexa will mean three important things. The ability to have a proper conversation (more than it can already do), understand context to personalise results for users and the ability to understand complexity of commands. Amazon says they are also finding ways

to reduce latency, i.e., the time taken by the assistant to find the necessary response to a query. This should, in theory, make conversations flow without pauses.

"This new Alexa LLM will be connected to hundreds of thousands of real-world devices and services via APIs. It also enhances Alexa's ability to process nuance and ambiguity — much like a person would — and intelligently take action," says Daniel Rausch, vice president, Alexa and Fire TV, in a statement.

Yatra Online IPO: Issue subscribed 39% so far on third and final day. Details

MUMBAI, (Agency). Wednesday, the third and final day of Yatra Online's maiden initial public offering (IPO), is witnessing a 'tepid' response from investors, with only the retail portion fully booked thus far, according to HT's sister publication Mint.

The ₹775 crore IPO of one of India's largest travel services providers opened for subscription on September 15. With the net proceeds, the Gurugram-headquartered company aims to fund strategic investments,



acquisitions, and inorganic expansion, as well as general corporate purposes, investments in customer acquisition and retention, technology, and other organic growth activities.

Yatra Online IPO: Day 3 status
 As per Mint, which cited data from the National Stock Exchange (NSE), the issue got subscribed 39% till 12 noon. The public issue has received bids for 1.18 crore

equity shares as against 3 crore shares on offer. In the retail category, it has been subscribed 1.39 times so far, 12% in the Non-Institutional Investors (NII) category, and 7% within the Qualified Institutional Buyers (QIBs).

Yatra Online IPO: GMP
 On the final day of bidding, the issue's grey market premium (GMP) is 0. This means that the shares are at their ₹142 issue price, and without any premium or discount in the grey market today.

